दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, रविवार 30 जनवरी 2022 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-04, अंक- 123

महत्वपूर्ण एवं खास

देश में कोविड-19 से 871 और मरीजों की मौत, 2.35 लाख नए मामले

नईदिल्ली (आरएनएस)। देश में एक दिन में 2,35,532 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 4,08,58,241 हो गयी है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले 24 घंटे के दौरान 871 और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 4,93,198 हो गयी है। मंत्रालय ने बताया कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या 1,01,278 तक कम हो गयी है और अब इस महामारी का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या 20,04,333 हो गयी है जो संक्रमण के कुल मामलों का 4.91 प्रतिशत है, जबकि देश में मरीजों के ठीक होने की दर 93.89 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, संक्रमण की दैनिक दर 13.39 प्रतिशत दर्ज की गयी, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 16.89 प्रतिशत दर्ज की गयी। महामारी से ठीक होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 3,83,60,710 हो गयी हैं, जबकि मृत्यु दर 1.21 प्रतिशत दर्ज की गयी। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 4,08,58,241 हो गयी है। इस बीच राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 165.04 करोड़ से अधिक खुराकें दी जा चुकी हैं।

राज्यों को अब तक 164 करोड़ 26 लाख से अधिक वैक्सीन उपलब्ध कराई जा चुकी है

नईदिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार देशभर में कोविड-19 टीकाकरण का दायरा विस्तृत करने और लोगों को टीके लगाने की गति को तेज करने के लिये प्रतिबद्ध है। कोविड-19 के टीके को सभी के लिए उपलब्ध कराने के लिए नया चरण 21 जून 2021 से शुरू किया गया था। टीकाकरण अभियान की रफ्तार को अधिक से अधिक टीके की उपलब्धता के जरिये बढ़ाया गया है। इसके तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को टीके की उपलब्धता के बारे में पूर्व सूचना प्रदान की जाती है, ताकि वे बेहतर योजना के साथ टीके लगाने का बंदोबस्त कर सकें और टीके की आपूर्ति श्रृंखला को दुरुस्त किया जा सके। देशव्यापी टीकाकरण अभियान के हिस्से के रूप में केंद्र सरकार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निःशुल्क कोविड टीके प्रदान करके उन्हें पूर्ण सहयोग दे रही है। टीके की सर्व-उपलब्धता के नये चरण में, केंद्र सरकार टीका निर्माताओं से 75 प्रतिशत टीके खरीदकर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निःशुल्क प्रदान करेगी। केंद्र सरकार द्वारा अब तक निःशुल्क और सीधे राज्य सरकार खरीद माध्यमों से टीके की 164.26 करोड़ से अधिक खुराकें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उपलब्ध कराई गई हैं। अभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास कोविड-19 टीके की 12 करोड़ से अधिक अतिरिक्त और बिना इस्तेमाल हुई खुराकें उपलब्ध है, जिन्हें लगाया जाना है।

अगले कुछ दिनों तक उत्तर भारत के कई राज्यों में पड़ेगी कड़ाके की सर्दी

» अभी ठंड से नहीं मिलेगी राहत

नईदिल्ली (आरएनएस)। उत्तर भारत में पिछले कुछ दिनों से हाड़ कंपा देने वाली ठंड पड़ रही है। वहीं उत्तर प्रदेश भारत सहित बिहार, दिल्ली, उत्तराखंड समेत कई राज्य ठिठुरन भरी सर्दी से बेहाल हैं। हालांकि, बीते दिन कुछ हिस्सों में दोपहर के समय थोड़ी धूप जरूर निकली है, लेकिन मौसम में फिर भी ठंडक है। मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि आगामी कुछ दिनों में उत्तर भारत में ठंड का कहर कम नहीं होगा। पर्वतीय क्षेत्रों में हो रही बर्फबारी की वजह से मैदानी इलाकों में ठंड पड़ रही है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले चार दिनों तक उत्तर प्रदेश में ठंड से कोई राहत नहीं मिलने वाली है। कोल्ड डे के हालात चार दिनों तक जारी रहने वाले हैं।

वहीं दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज बदल रहा है और ठंड अब अलविदा कहने की और बढ़ रही है। इस वजह से शनिवार, 29 जनवरी को भी लोगों को ठंड से थोड़ी राहत रहेगी। हालांकि सर्दी अभी लोगों को कंपकंपाती रहेगी। शुक्रवार को दिन में धूप निकली थी जिसके चलते तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई हैं।आईएमडी के अनुसार, एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर पश्चिमी भारत के प्रभावित होने की संभावना है।

इस वजह से 2 से 4 फरवरी तक दिल्ली और उसके पड़ोसी राज्यों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। आईएमडी के वैज्ञानिक आर के जेनामणि ने संभावना जताई है कि, 3 फरवरी की रात से, पश्चिमी विक्षोभ के इस क्षेत्र को प्रभावित करने की संभावना है। रात या सुबह के दौरान बादल छाए रहने और बूंदा बांदी की पूरी संभावना हैं।

ठंड का एक और दौर फिर से शुरू होने वाला है। अगले 4-5 दिनों तक कड़ाके की ठंड जारी रहेगी। यूपी के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, कई जिलों में तापमान 3 डिग्री तक जा सकता है। गौरतलब है कि बर्फीली हवाएं सर्दी बढ़ा रही हैं। उत्तर-पश्चिमी हवाओं का असर तेज हो गया है। पहाड़ों की बर्फीली हवाएं चार से पांच किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से मैदानी इलाकों में अपना असर दिखा रही हैंयूपी के लिए येलो अलर्ट जारी। इससे शीतलहर के साथ ही रात में पारा कम होने लगा है और सुबह के समय नदियों के आसपास घना कोहरा छाया रहता है। मौसम विभाग के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज का न्यूनतम तापमान 6 डिग्री और अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। वहीं, भोपाल में 29 जनवरी का न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। इसके अलावा, चंडीगढ़ में पारा 8 डिग्री तक गिर सकता है।

गांदरबल में सेना ने 3 संदिग्धों को दबोचा, चीनी हथियार बरामद

जम्मू (आरएनएस)। भारतीय सुरक्षाबलों ने गांदरबल जिले के हडूरा के शुहामा इलाके से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 2 पिस्तौल, 3 मैगजीन और 2 चीनी ग्रेनेड बरामद किया गया है। सेना ने बताया कि गांदरबल के शुहामा में ज्वाइंट मोबाइल वाहन चेक पोस्ट बनाया गया था। यहां रुकने का इशारा करने पर तीन लोगों ने भागने की कोशिश की, लेकिन उन्हें पकड़ लिया गया। इनके पास से चीनी ग्रेनेड और दो पिस्तौल बरामद की गई।

वहीं, बारामूला जिले में शुक्रवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने एक पुलिसकर्मी की हत्या करने की कोशिश की। अधिकारियों ने बताया कि बंदूकधारियों ने बटमालू इलाके में एसडी कॉलोनी में कांस्टेबल मुनीर मेराज के आवास के पास उन पर गोलियां चला दीं। उन्होंने बताया कि हमले में वह बाल-बाल बच गए। पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

दूसरी तरफ, रजौरी जिले में शुक्रवार को ट्रेनिंग सेशन के दौरान हुए विस्फोट में सेना के चार जवान घायल हो गए। सूत्रों ने बताया कि नौशेरा सीमा क्षेत्र में सैन्य अड्डे पर रेगुलर ट्रेनिंग के दौरान दुर्घटनावश विस्फोटक उपकरण में ब्लास्ट हो गया, जिससे चार सैनिक घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायल जवानों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सीबीआई के व्यापमं प्रकरण में दो आरोपियों को सात साल की कैद

भोपाल (आरएनएस)। सीबीआई के विशेष अपर सत्र न्यायाधीश नीति राज सिंह सिसोदिया की अदालत ने व्यापमं घोटाले के दो आरोपी सत्यनारायण यादव और लक्ष्मी नारायण यादव को सात वर्ष के कठोर कारवास के साथ बीस हजार रुपए के अर्थ दण्ड से दंडित किया है। सीबीआई के लोक अभियोजक मनुजी उपाध्याय ने बताया कि व्यापमं द्वारा वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश पुलिस आरक्षक भर्ती परीखा द्वितीय आयोजित की थी। जिसमें परीक्षार्थी सत्यनारायण यादव ने अपने स्थान पर परीक्षा दिलाने के लिए प्रतिरूपक लक्ष्मी नारायण यादव को परीक्षा में बैठाया था और जिसके परिणाम स्वरूप परीक्षार्थी सत्यनारायण परीक्षा में पास हुआ। शिकायत मिलने और शक के आधार पर पुलिस ने इन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया था। सीबीआई ने मामले की जांच कर विवेचना के बाद चालान अदालत में पेश किया था। अदालत ने दोनों आरोपियों केा मूल्यवान प्रतिभूति के दसतावेजों के कुटकरण, कूट रचित दस्तावेजों का बेईमानी पूर्वक असल के रूप में उपयोग में लाए जाने, छल और आपराधिक षडयंत्र के लिए भारतीय दंड विधान की धारा 419, 420, 467, 471, 468 एवं सहित धारा 120बी, भादवि के तहत दंडित किया गया। मध्य प्रदेश परीक्षा मान्यता प्राप्त परीक्षा अधिनियम के तहत दोषी पाए जाने पर कारावास हुआ है।

मिठाई कारखाने में लगी आग,दो कर्मचारी जिंदा जले, एक की हालत गंभीर

» दमकल की गाड़ियों ने कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

कानपुर (आरएनएस)। कलक्टरगंज थाना क्षेत्र के काहूकोठी में स्वीट हाउस के कारखाने में लीकेज सिलिंडर से आग लग गई। सीढ़ियों के रास्ते में मिठाई के डिब्बे, चीनी और घी आदि के डिब्बे रखे होने से आग भड़क गई। लपटों ने तीनों मंजिल को चपेट में ले लिया,जिसमें दो कर्मचारियों की जलकर मौत हो गई। दमकल की गाड़ियों ने करीब छह घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

आग के बीच कर्मचारियों में मची भगदड़ - स्वरूप नगर निवासी बनवारी लाल गुप्ता की काहूकोठी में राजकुमार स्वीट्स के नाम से दुकान है। दुकान के पिछले हिस्से में कारखाना चलता है। सहालग में 24 घण्टे कारखाने का संचालन हो रहा था। शुक्रवार रात 8-10 कर्मचारी कारखाने में ही सो रहे थे। तभी करीब 2:30 बजे लीकेज सिलेंडर से आग लग गई है और तेज लपटों ने पूरे कारखाने को चपेट में ले लिया। आग के बीच कर्मचारियों में भगदड़ मच गई और बचाव के लिए कर्मचारी ऊपरी मंजिल की ओर भागे। कुछ ही देर में आग की लपटों ने स्वीट हाउस के आगे के हिस्से को भी चपेट में ले लिया और देखते देखते आग विकराल ही गई। सीढ़ियों के रास्ते में मिठाई के डिब्बे,चीनी और वनस्पति घी के डिब्बे रखे होने से आग ऊपरी मंजिल को बढ़ती गई। इससे कर्मचारियों में फिर भगदड़ मच गई और पड़ोसी के मकान की छत से करीब 15 कर्मचारियों को सुरक्षित निकाला गया। इससे पहले हादसे में हरदोई निवासी श्यामनाथ कश्यप (22), बस्ती निवासी सनी प्रजापति (23) की मौत हो गई जबकि चकेरी के रहने वाले मोहित गंभीर रूप से झुलस गए। मरने वाले कर्मी में एक मूकबधिर था। कर्मचारियों की सूचना पर लाटूश रोड,कर्नलगंज, फजलगंज समेत अन्य फायर स्टेशन से दमकल की गाड़ियां पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। करीब छह घंटे की मशक्कत के बाद आग पर क़ाबू पाया जा सका। डीसीपी ईस्ट प्रमोद कुमार ने बताया कारखाने में हादसे के वक्त आधा दर्जन से अधिक लोग मौजूद थे। आग लगने के बाद अधिकतर लोग बाहर निकल गए थे। मगर तीन लोग आग की चपेट में आ गए।घायल का इलाज चल रहा है। जांच कर पता किया जा रहा है कि आग किन कारणों से लगी।

भारत-आसियान डिजिटल कार्य-योजना 2022 को मंजूरी

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारत के साथ आसियान डिजिटल मंत्रियों (एडीजीएमआईएन) की दूसरी बैठक कल वर्चुअल माध्यम से आयोजित की गई। संचार राज्यमंत्री देवूसिंह चौहान और म्यामांर के यातायात एवं संचार मंत्री एडमिरल तिन आंग सान ने बैठक की सह-अध्यक्षता की।

एडीजीएमआईएन, आसियान (एसोसियेशन ऑफ साउथ-ईस्ट एशियन नेशंस) के दस देशों-ब्रूनेई, कम्बोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपीन्स, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम के संचार मंत्रियों की वार्षिक बैठक का मंच है। बैठक में संवाद साझीदार देश-ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, चीन, यूरोपीय संघ, भारत, जापान, कोरिया गणराज्य, न्यूजीलैंड, रूस, यूके और अमेरिका भी हिस्सा लेते हैं। बैठक में डिजिटल समावेश और एकीकरण की भावना को मद्देनजर रखते हुये क्षेत्रीय डिजिटल सहयोग को मजबूत बनाने सम्बंधी विविध प्रासंगिक विषयों पर चर्चा तथा विचार-विमर्श किया गया।

डिजिटल मंत्रियों की गरिमामयी उपस्थिति में देवूसिंह चौहान ने जोर दिया कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकियां नागरिक और सरकार के बीच उन्नत आदान-प्रदान के जरिये लोकतांत्रिक प्रणालियों तथा संस्थानों को मजबूत तथा सक्षम बनाती हैं। उन्होंने कहा कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल से निर्णय लेने की प्रक्रिया में भागीदारी करने के लिये नागरिकों को अवसर देने के साथ-साथ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, मानवाधिकार और सूचना के मुक्त प्रवाह को प्रोत्साहन मिलता है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के जीवन को बदलने के लिये इसकी अपार क्षमता है।

देवूसिंह चौहान ने माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उस परिकल्पना का उल्लेख किया, जिसके तहत राष्ट्र के विकास के लिये विभिन्न प्रौद्योगिकीय समाधानों का उपयोग किया जा सकता है। अपने सम्बोधन में चौहान ने कहा कि कोविड-19 न केवल जन स्वास्थ्य प्रणाली के लिये चुनौती है, बल्कि वह कई देशों के आर्थिक और सामाजिक संरचना को भी झकझोर रहा है। इस परिदृश्य में, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियां एक ताकतवर उपकरण के तौर पर सामने आई हैं, जो जीवन के विभिन्न पहलुओं पर महामारी के प्रभाव को कम करने में सक्षम हैं तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिये बुनियाद का काम कर सकती हैं।

डिजिटल मंत्रियों की बैठक में भारत-आसियान डिजिटल कार्य-योजना 2022 को मंजूरी दे दी गई। कार्य-योजना में चोरी हुये और नकली मोबाइल हैंडसेटों के इस्तेमाल से निपटना, देशव्यापी सार्वजनिक इंटरनेट के लिये वाई-फाई नेटवर्क इंटरफेस प्रणाली बनाना, क्षमता निर्माण और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में उभरने वाले पक्षों के बारे में जानकारी साझा करना, जैसे इंटरनेट ऑफ थिंग्स, 5जी, उन्नत उपग्रह संचार, साइबर फोरेंसिक, आदि सम्बंधी प्रणालियां शामिल हैं। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियों में चालू और प्रस्तावित परियोजनायें भारत और आसियान देशों के बीच सहयोग को मजबूत बनायेंगी।

महाराष्ट्र के नंदुरबार में गांधीधाम-पुरी एक्सप्रेस ट्रेन की पैंट्री कार में लगी आग

» दहशत में कुछ यात्रियों ने लगाई ट्रेन से छलांग

मुंबई (आरएनएस)। महाराष्ट्र में नंदुरबार रेलवे स्टेशन के निकट गांधीधाम-पुरी एक्सप्रेस ट्रेन की पैंट्री कार में शनिवार को आग लग गई। इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पश्चिम रेलवे के मुख्य प्रवक्ता के एक बयान में कहा गया है कि आग सुबह लगभग 10.35 बजे लगी जब ओडिशा जाने वाली ट्रेन (12993) रेलवे स्टेशन पर आने ही वाली थी। इसमें बताया गया कि ट्रेन में 22 डिब्बे थे। आग लगने के बाद लगभग 10.45 बजे पैंट्री कार को ट्रेन से अलग कर दिया गया। स्टेशन पर और ट्रेन के अंदर उपलब्ध अग्निशामक यंत्रों का इस्तेमाल आग बुझाने के लिए किया गया। उन्होंने कहा कि हादसे में कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ। बयान में कहा गया है कि अग्निशमन विभाग को तुरंत सूचित किया गया और दमकलकर्मी पूर्वाह्न 11 बजे मौके पर पहुंचे। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, 'आग के कारण पैंट्री कार में धुआं फैल गया, जिससे यात्रियों में दहशत फैल गई और उनमें से कुछ ने ट्रेन से छलांग भी लगा दी। ट्रेन धीमी गति से चल रही थी। ट्रेन को जल्द ही रोक दिया गया।

बसों के यात्री-कक्ष में अग्नि चेतावनी प्रणाली और अग्नि सुरक्षा प्रणाली के लिए अधिसूचना जारी

नईदिल्ली (आरएनएस)। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने श्रेणी 3 बसों [श्रेणी 3 वाहन वे हैं, जिन्हें लंबी दूरी के यात्री परिवहन के लिए, बैठकर जाने वाले यात्रियों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन और निर्मित किया जाता है] और स्कूल बसों के लिए 27 जनवरी, 2022 की अधिसूचना के अनुसार एआईएस (वाहन उद्योग मानक) -135 में संशोधन के माध्यम से बसों के यात्री (या बैठने वाले) कक्ष में अग्नि चेतावनी प्रणाली और अग्नि सुरक्षा प्रणाली की शुरुआत की है।

वर्तमान में, एआईएस-135 के तहत, इंजन कक्ष से लगने वाली आग के लिए आग का पता लगाने, चेतावनी देने और इसके शमन की प्रणाली को अधिसूचित किया जाता है। आग की घटनाओं के अध्ययन से पता चलता है कि यात्रियों को नुकसान मुख्य रूप से यात्री कक्ष में गर्मी और धुएं के कारण होता है। यदि आग की घटनाओं के दौरान थर्मल प्रबंधन द्वारा यात्रियों की निकासी के लिए अतिरिक्त समय देकर यात्री कक्ष में गर्मी और धुएं को नियंत्रित किया जाए, तो इस नुकसान को रोका जा सकता है।

बसों के लिए पानी की सूक्ष्म बूंदों पर आधारित सक्रिय अग्नि सुरक्षा प्रणाली और एक पृथक आग चेतावनी प्रणाली को यात्री डिब्बे में तापमान को 50 डिग्री सेंटीग्रेड से कम रखने का प्रबंधन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

अग्नि विस्फोटक और पर्यावरण सुरक्षा केंद्र (सीएफईईएस) एक डीआरडीओ प्रतिष्ठान है, जो अग्नि जोखिम मूल्यांकन, अग्नि शमन प्रौद्योगिकियों, मॉडल बनाने और अनुरूपता परीक्षण आदि के क्षेत्र में कार्यरत है। इस केंद्र के विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों के परामर्श से मानक में यह संशोधन किया गया है।

अब कोरोना से बचाएगा एयर वैद्य, धूप चिकित्सा पद्धति पर भारत में हुआ पहला अध्ययन

नईदिल्ली (आरएनएस)। कोरोना वायरस से बचाव में धूप अहम भूमिका निभाएगी। आयुर्वेद में वर्षों से चली आ रही धूप चिकित्सा पद्धति पर भारत में हुए दुनिया के पहले वैज्ञानिक अध्ययन के बाद वैज्ञानिकों ने यह दावा किया है। वैज्ञानिकों ने एयर वैद्य की खोज की है जो संक्रमण से बचाव के अलावा उसे प्रसारित होने भी नहीं देता।

एयर वैद्य एक धूप है जिसकी सुगंध के जरिये 19 तरह की जड़ी बूटियों का सेवन दिन में दो बार कर कोरोना संक्रमण से बचा जा सकता है। इतना ही नहीं एक पारदर्शी केबिन में बंद मक्खियों

पर भी इसका परीक्षण हुआ है जिसमें किसी भी तरह के हानिकारक तत्व की पहचान नहीं हुई है।

यानी इंसानों के लिए एयर वैद्य को पूरी तरह से सुरक्षित पाया गया है। इस अध्ययन को बनारस हिंदू विवि (बीएचयू) और एमिल फार्मास्युटिकल्स ने मिलकर किया है। नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद की क्लीनिकल रजिस्ट्री ऑफ इंडिया में भी पंजीयन के बाद यह अध्ययन दो समूह में किया गया।

बीएचयू के वरिष्ठ डॉ. केआरसी रेड्डी ने बताया कि 19 जड़ी-बूटियों से खोजा गया एयर वैद्य एक हर्बल धूप (एवीएचडी) के रुप में है। हाल ही में इस पर दूसरे चरण का क्लीनिकल ट्रायल पूरा हुआ है। दो अलग अलग समूह में हुए इस अध्ययन में पता चला है कि दिन में दो बार इसके इस्तेमाल करने पर कोरोना संक्रमण से बचाव किया जा सकता है।

एमिल फार्मास्युटिकल के कार्यकारी निदेशक डॉ. संचित शर्मा ने बताया कि राल, नीम, वासा, अजवाइन, हल्दी, लेमन ग्रास और वच सहित 19 जड़ी बूटियों पर अध्ययन हुआ है। इस दौरान एयर वैद्य में चार किस्म के औषधीय गुण वायरस रोधी होना, सूजनरोधी होना, सूक्ष्मजीव रोधी और प्रतिरक्षा तंत्र मजबूत करना शामिल हैं। डॉ. रेड्डी का कहना है कि यही चारों गुण कोरोना वायरस के खिलाफ बचाव में कार्य करते हैं।

एक सवाल पर डॉ. रेड्डी ने बताया कि एक समूह में 100 और दूसरे समूह में 150 यानी 250 लोगों को इस अध्ययन में शामिल किया गया। एक समूह को एयर वैद्य की धूप चिकित्सा सुबह-शाम दी गई। जबकि दूसरे समूह के लोगों को यह चिकित्सा नहीं दी गई।

30 दिन तक यह प्रक्रिया अपनाने के बाद जब कोविड जांच हुई तो पता चला कि जिन्होंने एयर वैद्य का इस्तेमाल नहीं किया उनमें 37 फीसदी लोग संक्रमित मिले। जबकि जिन्होंने इसका इस्तेमाल किया उनमें महज चार फीसदी संक्रमित मिले। एयर वैद्य की वजह से इनमें से किसी भी रोगी में लक्षण विकसित नहीं हुआ।